

**POST GRADUATE DIPLOMA IN ENVIRONMENT  
AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT (PGDES)/  
M.A. (POLITICAL SCIENCE)**

**Term-End Examination**

**MED-002 : SUSTAINABLE DEVELOPMENT :  
ISSUES AND CHALLENGES**

*Time : 2 Hours]*

*[Maximum : Marks : 50*

---

**Note:** Attempt any five questions. All questions carry equal marks.

---

1. "Efforts are being made to harness the traditional practices and knowledge in the local communities along with scientific inputs in various areas to make the process of sustainable development faster" Justify the statement giving suitable examples. 10
2. Critically explain the role of NGOs in furthering environmental cause in India. 10
3. Define sustainable livelihood as given by DFID. Describe the five types of capital assets from which the individual draws his/her livelihood. 10



4. Explain in brief various plant and animal production practices for sustainable agriculture.
5. Briefly describe International policy initiatives taken to bridge the north-south divide. 10
6. Distinguish between intra and inter-generational equities. Explain their requirements for sustainable development. 10
7. Describe the institutional mechanism that exist in South Asian region to achieve sustainable development. 10
8. Write short notes on any two of the following:  
5×2=10
  - (i) Agricultural technology based sustainable farming practices
  - (ii) Road blocks to global initiatives on environmental protection
  - (iii) Role of co-operatives in sustainable development

—x—

पर्यावरण और सतत विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा  
(पी.जी.डी.ई.एस.डी.)/एम.ए. (राजनीति विज्ञान)

सत्रांत परीक्षा

एम.ई.डी.-002 : सतत विकास : मुद्दे और चुनौतियाँ

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "स्थानीय समुदायों में पारम्परिक अभ्यासों एवं ज्ञान को वैज्ञानिक ज्ञान एवं विधियों के निवेश के साथ जोड़े जाने की आवश्यकता है जिससे सतत विकास की प्रक्रिया तीव्रतर हो सके।" उचित उदाहरणों की सहायता से इस कथन को सिद्ध कीजिये। 10
2. पर्यावरण संरक्षण में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका की गहन व्याख्या कीजिये। 10
3. डी.एफ.आई.डी. द्वारा दिए गए सतत विकास की परिभाषा लिखिए। पाँच प्रकार की पूँजी परिसम्पत्ति का वर्णन कीजिये जिनसे व्यक्ति अपनी जीविका चाहता है। 10
4. सतत कृषि के लिए विभिन्न पौध उपज के तरीकों तथा पशु उत्पादन के उपायों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिये। 10

5. उत्तर-दक्षिण विभाजन को कम करने के लिए पहल की गई अन्तर्राष्ट्रीय नीतियों का संक्षेप में वर्णन कीजिये। 10
6. अन्तर्पीढ़ीय व अंतरा-पीढ़ीय समता में विभेद कीजिये। सतत् विकास के लिए इसके आवश्यकता की व्याख्या कीजिये। 10
7. सतत विकास प्राप्त करने के लिए दक्षिण एशियाई क्षेत्र में स्थापित संस्थागत तंत्रों का वर्णन कीजिये। 10
8. किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये:  $5 \times 2 = 10$
- (i) प्रौद्योगिक आधारित सतत् कृषि प्रणालियाँ
- (ii) पर्यावरण संरक्षण के लिए भूमण्डलीय प्रयासों के रास्ते की बाधाएँ
- (iii) सतत् विकास में सहकारिता की भूमिका

—x—